to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill."

12.57 hrs.

PREVENTION OF FOOD ADULTERATION (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA): On behalf of Shri Uma Shankar Dikshit, I beg to move for leave to intorduce a Bill further to amend the Prevention of Food Adulteration Act, 1954.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Prevention of Food Adulteration Act, 1954."

The motion was adopted.

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA: I introduce the Bill.

12.58 hrs

FINANCE (No. 2) BILL 1971—*Contd.*

MR. SPEAKER: Shri Naval Kishore Sharma to continue his speech.

श्री नवल किशोर शर्मा (दौसा) : अध्यक्ष जी, कल मैं कह रहा था कि वित्त मंत्री द्वारा बजट के द्वारा एक ऐसी प्रक्रिया की शुरूवात की गई है जिस के जरिये से हम देश के लोगों को दिये गये वायदों की और उनकी आकांक्षाओं की पूर्ति करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे देश में जो बेरोजगारी है, भयंकर असमानता है और जो सामाजिक न्याय की कमी है उसको पूरा किया जाय। उसी संदर्भ में हम को इस बजट और वित्त विधेयक पर विचार करना होगा। लेकिन वित्त विधेयक पर विचार करते समय वित्त मंत्री के उस भाषण की तरफ मैं ध्यान दिलाना चाहता हूं उन लोगों का जिन्होंने वित्त मंत्री के बजट की यहां और बाहर आलोचना कि है यह कह कर कि यह बजट या यह वित्त विधेयक गरीबी हटाओं के सिलसिले में एक विडम्बना मात्र है।

वित्त मंत्री ने स्वयं अपने भाषण में कहा है:

It is hardly possible to claim that a new socialist and economic order can be ushered in through budgetary policies and also not at least through a single Budget.

इसी संदर्भ में यदि हम इस बजट को देखते हैं तो यह कहना पड़ेगा कि यह बजट एक अच्छी शुरूवात हैं। सरकार ने बजट के अलावा देश के लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिये, देश में व्याप्त विषमता को दूर करने के लिये और देश के लोगों को अधिक रोजगार मिल सके, इसके लिये साधन उपलब्ध करने के लिये कुछ महत्वपूर्ण कदम भी उठाये हैं। कहना नहीं होगा कि कल जो सदन के अन्दर कांस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट बिल नम्बर 24 और 25 पेश किये गये, वह अपने आप में इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सब कुछ इस देश में हम उस प्रक्रिया की शुरूवात के तौर पर मान कर चल रहे हैं जिसकी हमने आशायें देश के लोगों में जागृत की थीं।

लेकिन इसके साथ-साथ यह बात भी जरूर है कि पिछले दिनों जो घटनाचक्र हमारे देश में घटा है, पिछले दिनों जो देश में हालात पैदा हुए हैं उनके संदर्भ में मैं वित्त मंत्री महोदय का ध्यान कुछ मद्दों के ऊपर दिलाना चाहूंगा।

13. hrs

पहली बात तो मैं वित्त मंत्री के लिए यह कहना चाहूंगा कि उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा था :

"पहले से तीव्रगति से विकास करने और पहले से अधिक सामाजिक न्याय प्रदान करने के लक्ष्य तब तक मृग-मरीचिका ही सिद्ध होंगे जब तक कि उनके लिए सापेक्षिक मूल्यों की स्थिरता का वातावरण तैयार नहीं किया जाएगा।

* Published in Gazatte of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated 29-7-71.